पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

महिलाओं को अवसर एवं प्रोत्साहन मिलता है तो हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं - राज्यपाल

लखनऊः 8 मार्च, 2018

गाइड समाज कल्याण संस्थान एवं जयनारायण पी0जी0 कालेज, लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में आज कालेज के प्रेक्षागृह में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने कहा कि 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है तथा 13 फरवरी को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय महिला दिवस होता है। राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन उत्तर प्रदेश की पूर्व राज्यपाल श्रीमती सरोजिनी नायडू की जयंती पर होता है, जिसकी जानकारी ज्यादा लोगों को नहीं है। सरोजिनी नायडू कांग्रेस की अध्यक्ष भी रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला अलग-अलग क्षेत्र में कैसे काम कर सकती है उनका जीवन इसका उदाहरण है। इस अवसर पर न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ, न्यायमूर्ति एस0सी0 वर्मा, कबीर शांति मिशन के प्रमुख श्री आर0के0 मित्तल, गाइड समाज कल्याण संस्था की अध्यक्ष डा0 इंदु सुभाष सहित अन्य लोग भी उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाओं को समानता और उनके अपने अधिकार मिलने चाहिए। शासन-प्रशासन के साथ-साथ समाज से जुड़े लोग महिला सशक्तीकरण की योजनाओं को महिलाओं तक पहुंचाने का माध्यम बनें। समाज में महिलाओं को लेकर अनेक शुभ संकेत सामने आ रहे हैं। पूर्व में शिक्षित महिलाएं नर्स या शिक्षण के पेशे में जाती थीं पर आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अवसर एवं प्रोत्साहन मिलता है तो हर क्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकती हैं।

श्री नाईक ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोहों में छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि हमें अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर यह विचार करना होगा कि कुरीतियों से समाज को कैसे मुक्त किया जाये। भ्रूण हत्या को कलंक और भविष्य का खतरा बताते हुए उन्होंने लिंगानुपात के असंतुलन को दूर करने की बात कही। राज्यपाल ने अपनी पत्नी श्रीमती कुंदा नाईक की चर्चा करते हुए कहा कि 'मैं आज जो भी हूँ अपनी पत्नी के कारण हूँ। राजनीति में आने पर पत्नी ने शिक्षिका की नौकरी करके परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन किया।' महिला पुरूष से ज्यादा घर में काम करती हैं। उन्होंने कहा कि इस बात का उचित मूल्यांकन होना चाहिए।

इस अवसर पर 'तेजस्वीनी सम्मान 2018' से प्रो0 चितवन, कुमारी नेहा, प्रगति, प्रिया शर्मा, काजल व सुलेखा को सम्मानित किया गया तथा 'मातृशक्ति 2018 अवार्ड' से श्रीमती प्रेमा देवी, जो शेफ नंदिनी दिवाकर की माँ हैं, को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर न्यायमूर्ति कमलेश्वर नाथ, न्यायमूर्ति एस0सी0 वर्मा, श्री आर0के0 मित्तल ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (96/12)

गाइड समाज कल्याण संस्थान एवं
श्री जय नारायण स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लखनऊ
(नैक द्वारा ग्रेड 'ए' प्रत्यायित)
के संयुक्त तत्वाधान में
"बुजुर्गों का अनुभव, युवाओं की ताकत,
आओ बनायें मिलकर नया भारत"
मुख्य अतिथि
श्री राम नाईक
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
अध्यक्षता
माननीय न्यायमूर्ति श्री कमलेश्वर नाथ
विशिष्ट अतिथि

मुख्य अतिथि
श्री राम नाईक
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
अध्यक्षता
माननीय न्यायमूर्ति श्री कमलेश्वर नाथ
विशिष्ट अतिथि